-: उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय :-

हिंदी - निर्धारित पाठ्यक्रम.

एम. ए. भाग - १.

[जून 2002-2003, 2003-2004, 2004-2005]

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन जून, 2002 से प्रारंभ होगा। पूरे पाठ्यक्रम का विभाजन दो वर्षों के लिए होगा। विद्यार्थियों को प्रथम वर्ष में प्रश्नपत्र-1 से प्रश्नपत्र-4 तक का और द्वितीय वर्ष में प्रश्नपत्र 5 से प्रश्नपत्र 8 तक का अध्ययन करना होगा।

संपूर्ण हिंदी विषय लेनेवाले छात्रों के लिए सामान्य स्तर और विशेष स्तर दोनों स्तरों के प्रश्नपत्रों का अध्ययन करना होगा, हिंदी का गौण विषय के रूप में अध्ययन करनेवाले [अर्थात अन्य विशेष विषय के 3 प्रश्नपत्र और हिंदी का 1 प्रश्न पत्र लेनेवाले] छात्रों को प्रथम वर्ष में "प्रश्नपत्र 1 सामान्य स्तर" का तथा द्वितीय वर्ष में "प्रश्नपत्र 5 सामान्य स्तर" का अध्ययन करना होगा।

प्रश्नपत्र 2, 3, 4, और प्रश्नपत्र 6, 7, 8 विशेष स्तर के रहेंगे।
प्रश्नपत्र 4 और प्रश्नपत्र 8 के अंतर्गत विकल्प रखे हुए हैं
इनमें से किसी एक ही वैकल्पिक प्रश्नपत्र का चयन
छात्रों को इनमें से
करना होगा।

-: एम. ए. हिंदी पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1) हिन्दी भाषा एवं साहित्य के संबंध में छात्रों में रुचि निर्माण कर उन्हें हिन्दी का अध्ययन करने के लिए प्रेरित करना।

2) छात्रों में साहित्य को समझने, परखने, उसका आस्वाद करने तथा मूल्यांकन करने की दृष्टि बढ़ाना।

3) हिन्दी साहित्य की प्राचीन एवं आधुनिक गद्य-पद्य विधाओं का तात्त्विक परिचय कराना।

4) साहित्यिक प्रवृत्तियों के संदर्भ में विभिन्न साहित्यिक विधाओं के विकास क्रम से परिचित कराना।

5) साहित्य कृतियों का विविध दृष्टियों से विवेचन, विश्लेषण, आस्वादन तथा समीक्षा करने की दृष्टि देना।

(P.T.O.)

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

एम. ए. प्रथम वर्ष :-

प्रश्न पत्र-1 :- सामान्य स्तर - आधुनिक गद्य - उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, रेखाचित्र

प्रश्न पत्र - 2 :- प्राचीन काव्य।

प्रश्न पत्र - 3 :- भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा आलोचना।

प्रश्न पत्र - 4 :- वैकल्पिक -

* विशेष साहित्यकार :-

अ) तुलसीदास

आ) कवि - नरेश मेहता

* विशेष विधा -

इ) हिंदी उपन्यास -

ई) हिंदी निबंध -

~~( ) * महिला उपन्यासकार~~

* अन्य

उ) महिला उपन्यासकार -

ऊ) मराठी संतों का हिंदी काव्य -

प्रश्नपत्र – २ (सामान्य स्तर)

आधुनिक गद्य — उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, रेखाचित्र ।

उद्देश्य :— १) छात्रों को आधुनिक गद्य विधाओं के सामान्य स्वरूप से परिचित कराना ।

२) आधुनिक गद्य विधाओं में से प्रमुख विधाओं के विकास क्रम की जानकारी छात्रों को देना ।

3) विधा-विशेष के ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने तथा मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना ।

पाठ्यपुस्तकें :—

1) जल टूटता हुआ (पुस्तकालय संस्करण) (उपन्यास) - रामदरश मिश्र । वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

2) कथा यात्रा (कहानी) सं. डॉ. वेद प्रकाश अमिताभ ।
इंडिया बुक हाउस, चौड़ा रास्ता, जयपुर - पिन - 302003

3) अभंग गाथा (नाटक) - डॉ. नरेन्द्र मोहन ।
जगतराम एण्ड संस, 25/4855 अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली ।

4) भाषा, साहित्य और देश (निबंध) - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ।
भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, 18 इन्स्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नई दिल्ली

निम्नलिखित निबंध —

1) भाषा, साहित्य, देश (2) भारतीय चिंतनधारा : साहित्य के क्षेत्र में
3) देव विग्रहों में मानव (4) सामाजिक मानव : दिशा प्रेरणा की अन्तःप्रकृति
5) मेरा जन्मस्थान (6) देश का भविष्य
(7) मनुष्य (8) पुस्तकालय - संगठन का उत्तम मार्ग
(9) भारतीय मेले (10) भारतीय संस्कृति

5) माटी की मूरतें (रेखाचित्र) - रामवृक्ष बेनीपुरी ।
बेनीपुरी प्रकाशन - बोरिंग रोड, पटना - 1.
(रजिया और बैजू मामा छोड़कर अन्य सभी)

सन्दर्भ ग्रंथ

1) हिंदी उपन्यास : ऐतिहासिक अध्ययन — डॉ. शिवनारायण श्रीवास्तव /
2) प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की शिल्पविधि — डॉ. सत्यपाल चुघ /
3) रामदरश मिश्र की उपन्यास यात्रा — डॉ. प्रभुलाल वैश्य तथा पूनम शाह /
4) रामदरश मिश्र : व्यक्तित्व और कृतित्व — डॉ. कुलभूषण यादव /
5) रामदरश मिश्र : रचना संसार — डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ /
6) रचनाकार रामदरश मिश्र — सं. डॉ. नित्यानंद तिवारी एवं ज्ञानचंद गुप्त /
(10) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास और ग्राम चेतना — डॉ. ज्ञानचंद गुप्त
7) आज की हिंदी कहानी — डॉ. धनंजय /
8) नई कहानी की भूमिका — कमलेश्वर /
9) समकालीन हिंदी कहानी — डॉ. विनय /
10) साठोत्तरी हिंदी कहानी : मूल्यों की तलाश — डॉ. वासुदेव शर्मा /
11) साठोत्तरी हिंदी कहानी — डॉ. के. एम. मालती /
12) आज का हिंदी नाटक — प्रगति और प्रभाव — डॉ. दशरथ ओझा /
13) रंगमंच और नाटक की भूमिका — डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल /
14) रंगदर्शन — नेमिचंद्र जैन /
15) नाटक और नाट्य शैलियाँ — डॉ. दुर्गा दीक्षित /
16) हिंदी नाटक — डॉ. बच्चनसिंह /
17) तुकाराम एवं कबीर — एक तुलनात्मक अध्ययन — डॉ. श्रीमती रेखा रोडे /
18) हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार — डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना /
19) हिंदी निबंधों का शैलीगत अध्ययन — डॉ. पु. ल. शहा /
20) प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार — डॉ. हरिमोहन /
21) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी — व्यक्तित्व और साहित्य — सं. डॉ. राजपालसिंह गुप्त /
22) हजारीप्रसाद द्विवेदी के साहित्य में लालित्य योजना — डॉ. कविता रानी /
23) हिंदी रेखाचित्र : सिद्धांत और सृजन — डॉ. अनिता पाण्डेय /
24) हिंदी रेखाचित्र — डॉ. हरवंशलाल शर्मा /
25) हिंदी रेखाचित्र — सिद्धांत और विकास — डॉ. मक्खनलाल शर्मा /

(ई)

प्रश्नपत्र २. (विशेष स्तर) प्राचीन काव्य

उद्देश्य :— १) हिंदी के कुछ प्रमुख एवं प्रतिनिधि कवियों की कृतियों के अध्ययन द्वारा प्राचीन काव्य का परिचय करना।

२) आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना।

३) प्राचीन काव्य प्रवृत्तियों की पृष्ठभूमि पर कवि विशेष की काव्यकला का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि — (कवियों का सम्यक् अध्ययन अपेक्षित है। अध्ययनार्थ विषय केवल दिशा दर्शक हैं।)

१) विद्यापति (२) मलिक मुहम्मद जायसी (३) कबीर

४) सूरदास - भ्रमरगीत (५) घनानंद.

★ अध्ययन की दृष्टि से अपेक्षित अध्ययनार्थ विषय तथा ससंदर्भ व्याख्या के लिए छंद—

१) विद्यापति — सं. आनंद प्रकाश दीक्षित। साहित्य प्रकाशन मंदिर, ग्वालियर।

छंद — १, १०, १२, १८, ४०, ५२, ५९, ६६, ६९, ७४, ७७, ७९.

अध्ययनार्थ विषय — संयोग शृंगार, वियोग शृंगार, सौंदर्य चित्रण, भक्त या शृंगारी कवि, काव्यकला।

२) पद्मावत — मलिक मुहम्मद जायसी - सं. डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल। साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी / लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

छंद — १) नागमती वियोग खण्ड — ३४१, ३४४, ३४५, ३५२, ३५४

२) चितौड़ गढ़ खण्ड — ५५२, ५५३, ५५४, ५५५, ५५६

३) गोरा बादल युद्ध खण्ड — ६३०, ६३३, ६३४, ६३६, ६३७.

अध्ययनार्थ विषय — प्रेम भावना, वियोग वर्णन, रूप सौंदर्य चित्रण, रहस्यवाद, प्रकृति चित्रण, इतिहास और कल्पना, महाकाव्यत्व, अन्योक्ति-समासोक्ति।

३) कबीर ग्रंथावली — सं. डॉ. श्यामसुंदर दास। नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी / प्रकाशन कुंज सेंटर, गोलघर, वाराणसी

छंद —

१) गुरुदेव को अंग — ३, ६, १२, १४, १६

२) बिरह को अंग — ३, ६, ११, १२, १८

३) परचा को अंग — १, ९, १४, ३५, ३६.

४) निहकर्मी पतिव्रता को अंग — २, ६, १०, ११, १४

५) चितावणी को अंग — २, ३, १०, ११, १४

६) काल को अंग — १, १३, १४, १५, २०

७) निंदा को अंग — १, ३, ४, ६, ८

पद — १, ८, ११, १६, ४०, ५९, ९७, ११७, १५६, १८०

अध्ययनार्थ विषय — निर्गुण भक्ति परंपरा और कबीर, संत काव्य परंपरा में कबीर का स्थान, कबीर और उनका साहित्य, कबीर का प्रेम तत्व, विरहभावना-रहस्य, क्रांतिदर्शी कबीर, कबीर की भक्तिभावना, दार्शनिकता, काव्यकला।

४) सूरदास-भ्रमरगीत — सं. रामचंद्र शुक्ल । लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद । प्रथम प्रकाशन, [illegible] ।

छंद — १०, २३, ३४, ४२, ५२, ६४, ८५, ८६, ९५, ९७, १२२, १३६, १४६, १७१, २१०

अध्ययनार्थ विषय — संयोग-वियोग शृंगार, भावात्मकता, प्रकृतिचित्रण, काव्यसौंदर्य, काव्यकला ।

५) घनानंद — महाकवि घनानंद और उनकी काव्यकला — डॉ. प्रा. रामनाथ देवी। प्रकाशक — सुरेश गणेश आपटे, ६३ शुक्रवार पेठ, पुणे.

छंद — ७, ८, १०, १२, १७, २१, २४, २५, ३०, ३४, ३५, ३६, ५४, ६२, ८०

अध्ययनार्थ विषय — रीतिमुक्त स्वच्छंद काव्यधारा और घनानंद, घनानंद का प्रेम निरूपण, घनानंद की विरहानुभूति, सौंदर्य चित्रण, भावात्मकता, काव्यकला ।

सन्दर्भ ग्रंथ :—

1) विद्यापति की काव्य प्रतिभा – डॉ. गोविंदराम शर्मा ।
2) विद्यापति : युग और साहित्य – डॉ. अरविंद नारायण सिन्हा ।
3) विद्यापति और उनका काव्य – डॉ. शुभकार कपूर ।
4) विद्यापति — डॉ. शिवनंदन ठाकुर ।
5) मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य — डॉ. शिवसहाय पाठक ।
6) जायसी का पद्मावत : काव्य और दर्शन — डॉ. गोविंद त्रिगुणायत ।
7) पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना ।
8) जायसी ग्रंथावली (भूमिका) – आचार्य रामचंद्र शुक्ल ।
9) पद्मावत का काव्य सौंदर्य – डॉ. चंद्रबली पांडेय ।
10) कबीर — आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ।
11) कबीर साहित्य की परख – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी ।
12) कबीरदास : चिंतन और दर्शन — सं. डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित ।
13) कबीर — सं. डॉ. विजयेन्द्र स्नातक ।
14) कबीर की विचारधारा — डॉ. गोविंद त्रिगुणायत ।
15) कबीर मीमांसा – डॉ. रामचंद्र तिवारी ।
16) कबीर की भाषा – महेन्द्रकुमार ।
17) सूर और उनका साहित्य – डॉ. हरवंशलाल शर्मा ।
18) सूर का भ्रमरगीत – एक अन्वेषण — डॉ. विश्वनाथ [illegible] ।
19) भ्रमरगीत का काव्य वैभव – डॉ. मनमोहन गौतम ।
20) सूर-सौरभ – डॉ. मुंशीराम शर्मा ।
21) सूर साहित्य – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ।
22) सूरदास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल ।
23) महाकवि सूरदास – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी ।
24) स्वच्छंद काव्यधारा और घनानंद — डॉ. मनोहरलाल गौड़ ।
25) घनानंद का शृंगार काव्य — डॉ. रामदेव शुक्ल ।
26) रीतिस्वच्छंद काव्यधारा — डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा ।

प्रश्नपत्र - 5 (विशेष स्तर)

- भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा आलोचना —

उद्देश्य:— 1) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय देना।

2) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रों के सिद्धान्तों के विकासक्रम का परिचय तथा सिद्धान्तों का ज्ञान कराना।

3) आलोचना की विभिन्न प्रणालियों का परिचय कराना।

4) साहित्यशास्त्रीय आलोचना की दृष्टि देना तथा समीक्षा की क्षमता में अभिवृद्धि कराना।

सूचनाएँ:— 1) विद्यार्थियों को भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम का ज्ञान देना आवश्यक है, तथापि इस अंश पर परीक्षा में प्रश्न नहीं रखा जायेगा।

2) भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्रीय सिद्धान्तों का अध्ययन-अध्यापन करते समय दोनों प्रकार के सिद्धान्तों में होनेवाले तुलनात्मक बिंदुओं का संकेत तथा विवेचन आवश्यक है।

पाठ्यक्रम:—

1) भारतीय काव्यशास्त्र के विकासक्रम का संक्षेप में परिचय।

2) रस सिद्धान्त:— रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति विषयक भरतमुनि का सूत्र और भट्ट लोल्लट, शंकुक, भट्टनायक और अभिनवगुप्त की तत्संबंधी व्याख्याओं का विवेचन। साधारणीकरण — भट्टनायक, अभिनवगुप्त, पंडितराज जगन्नाथ, विश्वनाथ, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. नामवर सिंह, डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित के मतों के संदर्भ में विवेचन, वर्तमान संदर्भ में रस सिद्धान्त।

3) अलंकार सिद्धान्त:— 'अलंकार' शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा, स्वरूप, काव्य में अलंकार का स्थान।

4) रीति सिद्धान्त:— 'रीति' शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा। रीति के विविध पर्याय, रीतिभेदों के आधार, रीतिभेद, रीति और गुण, रीति और शैली।

5) ध्वनि सिद्धान्त:— 'ध्वनि' शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा। ध्वनि और स्फोट सिद्धान्त, ध्वनि और शब्दशक्ति, ध्वनि के भेद — अभिधामूला, लक्षणामूला, संलक्ष्यक्रम व्यंग्य, असंलक्ष्यक्रम व्यंग्य, तात्पर्यवृत्ति।

६) वक्रोक्ति सिद्धान्त :— वक्रोक्ति की परिभाषा, कुन्तक पूर्व वक्रोक्ति, वक्रोक्ति सिद्धान्त का स्वरूप, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति का महत्त्व।

७) औचित्य सिद्धान्त:— औचित्य का स्वरूप, काव्य में औचित्य का महत्त्व।

८) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों का संक्षेप में परिचय।

९) अनुकरण सिद्धान्त:— अनुकरण की व्याख्या, स्वरूप, अनुकरण के संबंध में प्लेटो और अरस्तू के विचारों का तुलनात्मक परिचय।

१०) विरेचन सिद्धान्त:— प्लेटो, अरस्तू के विचारों का विवेचन।

११) उदात्त सिद्धान्त:— लोंजाइनस द्वारा उदात्त की व्याख्या, स्वरूप, उदात्त के अंतरंग-बहिरंग तत्त्व, उदात्त के विरोधी तत्त्व, काव्य में उदात्त का महत्त्व।

१२) क्रोचे का अभिव्यंजनावाद:— अभिव्यंजनावाद का स्वरूप, वक्रोक्ति और अभिव्यंजनावाद।

१३) मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धान्त:— काव्यमूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या, मनोवेगों के दो प्रकार, मनोवेगों में संतुलन, संप्रेषण का स्वरूप एवं महत्ता, रिचर्ड्स का ~~महत्त्व~~ योगदान।

१४) निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत — इलियट की निर्वैयक्तिकता की धारणा, परंपरा की धारणा, व्यक्तिगत भावों का सामान्यीकरण। वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता, सिद्धान्त का स्वरूप, विभाव विधान या भावदर्शन प्रणाली, भारतीय काव्यशास्त्र के साधारणीकरण से तुलना।

१५) विभिन्न वादों का परिचयात्मक अध्ययन — कलावाद, स्वच्छंदतावाद, प्रतीकवाद, बिम्बवाद, अस्तित्ववाद।

१६) आलोचना — स्वरूप और उद्देश्य, आलोचक के गुण, आलोचना के विभिन्न प्रकार — सैद्धांतिक, व्याख्यात्मक, तुलनात्मक, स्वच्छंदतावादी, मनोवैज्ञानिक एवं प्रगतिवादी आलोचना।

संदर्भ ग्रंथ —

१) काव्यशास्त्र — डॉ. भगीरथ मिश्र।
२) रस सिद्धान्त : स्वरूप, विश्लेषण — डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित।
३) भारतीय साहित्यशास्त्र - खण्ड १ और २ — आचार्य बलदेव उपाध्याय।
४) साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त — डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी।
५) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त — डॉ. कृष्णदेव शर्मा।
६) रस मीमांसा — आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
७) औचित्य विमर्श — डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी।

8) समीक्षाशास्त्र के भारतीय एवं पाश्चात्य मानदंड —
डॉ. रामसागर त्रिपाठी।
9) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत — डॉ. सुरेश अग्रवाल।
10) काव्यसमीक्षा के भारतीय मानदंड — डॉ. माधवी बालवेकर / डॉ. [illegible]
11) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त — डॉ. कृष्णदेव शर्मा।
12) अरस्तू का काव्यशास्त्र — डॉ. नगेन्द्र।
13) पाश्चात्य काव्यशास्त्र — देवेन्द्रनाथ शर्मा।
14) भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र — सत्यदेव चौधरी और शांतिस्वरूप गुप्त।
15) रिचर्ड्स के आलोचना सिद्धान्त — डॉ. शंभुनाथ झा।
16) उदात्त के विषय में — डॉ. निर्मला जैन।
17) पाश्चात्य काव्यशास्त्र — इतिहास, सिद्धान्त और वाद — डॉ. भगीरथ मिश्र।
18) पाश्चात्य साहित्य चिंतन — निर्मला जैन, कुसुम बांठिया।
19) टी. एस. इलियट के आलोचना सिद्धान्त — डॉ. शिवमूर्ति पांडेय।
20) आलोचक और आलोचना — डॉ. बच्चनसिंह।
21) हिंदी आलोचना: उद्भव और विकास — डॉ. भगवतस्वरूप मिश्र।
22) आलोचना के बदलते मानदंड और हिंदी साहित्य — डॉ. शिवकरण सिंह।
23) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के मानदंड — डॉ. भाऊसाहेब पाटेकर।

प्रश्नपत्र - ५ (विशेष साहित्यकार) वैकल्पिक

(अ) विशेष साहित्यकार - तुलसीदास

उद्देश्य :— 1) तुलसीदास के साहित्यिक व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय कराना।
2) आधुनिक परिप्रेक्ष्य में तुलसी काव्य की प्रेरणाओं तथा विशेषताओं का ज्ञान कराना।

पाठ्यग्रंथ — 1) रामचरितमानस 2) विनयपत्रिका 3) कवितावली 4) गीतावली

1) रामचरितमानस : तुलसीदास — गीताप्रेस, गोरखपुर।
छंद :— * अयोध्या कांड — केवट प्रसंग — 100, 101, 102.
* अरण्य कांड — शबरी प्रसंग — 34, 35, 36.
* किष्किंधा कांड — वर्षा वर्णन और शरद वर्णन — 14, 15, 16, 17.
* सुंदर कांड — सीता - हनुमान संवाद — 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18,
* उत्तर कांड — रामराज्य वर्णन — 20, 21, 22. (20 पद)

2) विनयपत्रिका — वियोगी हरि।
छंद :— 1, 5, 45, 68, 73, 75, 79, 81, 88, 90, 94, 100, 105, 111, 205. (15 पद)

3) कवितावली — तुलसीदास — गीताप्रेस, गोरखपुर
छंद - * बालकांड — 1, 2, 4.
* अयोध्याकांड — 1, 6, 7, 8, 28.
* सुंदरकांड — 3, 5, 10, 11, 15, 24, 25
* उत्तरकांड — 83, 90, 106, 107, 111. (20 पद)

4) गीतावली — तुलसीदास — गीताप्रेस, गोरखपुर
छंद - * बालकांड — 75, 76, 77, 106,
* अयोध्याकांड — 13, 24, 44, 50.
* अरण्यकांड — 8, 13
* सुंदरकांड — 12, 13, 15, 40, 48
* लंकाकांड — 5, 6, 8
* उत्तरकांड — 24, 23. (20 पद)

(परीक्षा में निर्धारित पदों पर सप्रसंग व्याख्या व प्रश्न पूछा जायेगा)।
अध्ययनार्थ विषय — 1) भक्ति आंदोलन और सगुण भक्ति (2) तुलसीदास और राम काव्य परंपरा (3) तुलसीदास की भक्ति भावना (4) समन्वय भावना (5) लोकमंगल भावना (6) तुलसी काव्य में लोकतत्त्व (7) काव्यकला।

संदर्भ ग्रंथ —

1) तुलसी दर्शन – डॉ. बलदेवप्रसाद मिश्र।
2) गोस्वामी तुलसीदास – आ. रामचंद्र शुक्ल।
3) तुलसीदास और उनका युग – डॉ. राजपति दीक्षित।
4) तुलसीदास : एक समालोचनात्मक अध्ययन – डॉ. माताप्रसाद गुप्त।
5) गोस्वामी तुलसीदास : व्यक्तित्व, दर्शन, साहित्य – डॉ. रामदत्त भारद्वाज।
6) गोस्वामी तुलसीदास – आ. विश्वनाथप्रसाद मिश्र।
7) तुलसी काव्य मीमांसा – डॉ. उदयभानु सिंह।
8) तुलसी : आधुनिक वातायन से – डॉ. रमेशकुंतल मेघ।
9) आगम और तुलसी – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी।
10) तुलसीदास का काव्य – डॉ. देवनिरंजन श्रीवास्तव।
11) रामचरितमानस - वाग्वैभव – डॉ. अम्बाप्रसाद सुमन।
12) तुलसी रसायन – डॉ. भगीरथ मिश्र।

प्रश्नपत्र ४ (विशेष स्तर) · वैकल्पिक

(अ) विशेष साहित्यकार – कवि नरेश मेहता।

उद्देश्य :— १) विशेष साहित्यकार के रूप में श्री नरेश मेहता के साहित्यिक व्यक्तित्व का परिचय कराना।

२) युगीन परिवेश में श्री नरेश मेहता की काव्य प्रवृत्तियों का अध्ययन और निर्धारित प्रमुख रचनाओं का विशेष ज्ञान तथा अन्य रचनाओं का सामान्य ज्ञान कराना।

३) कवि नरेश मेहता के काव्य का मूल्यांकन तथा उनके साहित्यिक अवदान का ज्ञान कराना।

पाठ्यग्रंथ – १) बोलने दो चीड़ को (२) वनपाखी सुनो (३) उत्सवा
४) महाप्रस्थान (खण्डकाव्य) (५) प्रवाद पर्व (खण्डकाव्य)।
(प्रकाशक – लोकभारती प्रकाशन, १५-ए, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद-१)

रचनाएँ —

(१) बोलने दो चीड़ को — १) चाहता मन २) किरणों का गीत ३) कथना
४) माघ फूले ५) दिन फिरे ६) किंतु मैं कहूँगा ही
७) रवि रश्मि ८) एकांत अविकल गाती है ९) एक फागुनी दिन
१०) निकष ११) कोई देख उत्सव करे।

(२) वनपाखी सुनो :—
१) प्रार्थना २) मेरे लिए की कलियाँ ३) तीर्थजल ४) एक लोक
५) निजपथ ६) डाकघरी रंगत ७) वर्षा भीगा शहर ८) पुष्प मित्र
९) पीले फूल कनेर के १०) उत्सव है अवांतरी ११) माघवी फागुन १२) वन हवाएँ।

(३) उत्सवा :—
१) प्रार्थना बेहूँ २) धूप कुहासा ३) आत्मचिंतन ४) सर्वम
५) महाकाव्य ६) सुमित्रा एक संभावना ७) मेघ राग और आमा ८) क्या कुछ भी नहीं
९) आग्रह १०) वैष्णव भाषा ११) पुरुष : एक आवास कथा है १२) संवाद के लिए
१३) इतिहास और प्रार्थना १४) मन प्रवीण कथनाम १५) उत्सव शिलालेख।

(४) महाप्रस्थान (खण्डकाव्य) – संपूर्ण।

(५) प्रवाद पर्व (खण्डकाव्य) – संपूर्ण।

(परीक्षा में निर्धारित कविताओं पर संदर्भ सहित व्याख्या का प्रश्न पूछा जायेगा।)

अध्ययनार्थ विषय —

१) नरेश मेहता का समय २) नरेश मेहता : एक व्यक्ति एक रचनाकार
३) नरेश मेहता के काव्य विकास के विविध सोपान (४) नरेश मेहता : प्रयोगवाद और तारसप्तक (दूसरा) (५) नरेश मेहता का काव्य : सांस्कृतिक आयाम
६) नरेश मेहता के काव्य में वैष्णवता (७) नरेश मेहता की आधुनिक मानवतावादी दृष्टि (८) नरेश मेहता की वैश्विक दृष्टि (९) नरेश मेहता की प्रबंधात्मकता
१०) काव्यकला।

1) काव्यात्मकता का दिक्काल — नरेश मेहता।
2) काव्य का वैष्णव व्यक्तित्व — नरेश मेहता।
3) दूसरा सप्तक (भूमिका) — सं. अज्ञेय।
4) नरेश मेहता : सर्जन की ऊर्ध्वयात्रा — डॉ. रामकमल राय।
5) नरेश मेहता : एक काव्य शिखर — डॉ. प्रमोद त्रिवेदी।
6) सृजन यात्रा : नरेश मेहता — डॉ. प्रमोद त्रिवेदी।
7) नरेश मेहता : कविता की ऊर्ध्वयात्रा — डॉ. रामकमल राय।
8) सर्जन और भाषिक संरचना — डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी।
9) नई कविता — डॉ. कान्तिकुमार जैन।
10) प्रयोगवाद — डॉ. पवनकुमार मिश्र।
11) कविता के नये प्रतिमान — डॉ. नामवर सिंह।
12) आलोचना और आलोचना — डॉ. नन्दकिशोर नवल।
13) आधुनिकता से आगे : नरेश मेहता — मीरा श्रीवास्तव।

प्रश्नपत्र ६ – (विशेष स्तर) वैकल्पिक

(३) विशेष विधा – हिंदी उपन्यास

उद्देश्य :— १) उपन्यास विधा के तात्विक स्वरूप की जानकारी देना।

२) हिंदी उपन्यासों के विकासक्रम का ज्ञान कराना।

३) हिंदी उपन्यासों की विभिन्न प्रवृत्तियों का परिचय कराना।

४) उपन्यास तथा अन्य विधाओं का तुलनात्मक परिचय देना।

५) हिंदी उपन्यास के विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में निर्धारित उपन्यासों का अध्ययन कराना।

अध्ययन के लिए निर्धारित उपन्यास —

१) गोदान – प्रेमचंद
२) आपका बंटी – मन्नू भंडारी
३) काली आँधी – कमलेश्वर
४) लाल टीन की छत – निर्मल वर्मा
५) सूरज किरण की छाँव – राजेन्द्र अवस्थी।

अध्ययनार्थ विषय :— १) उपन्यास की परिभाषा, तत्त्व, शिल्प विधान।

२) उपन्यास और अन्य कथात्मक विधाएँ – उपन्यास और कहानी, उपन्यास और [illegible], उपन्यास और महाकाव्य, उपन्यास और जीवनी।

३) हिंदी उपन्यासों का विकास – प्रेमचंदपूर्व, प्रेमचंदकालीन, प्रेमचंदोत्तर एवं स्वातंत्र्यपूर्व, स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास।

४) हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ – सामाजिक, ऐतिहासिक, राजनीतिक, आंचलिक, समस्यामूलक, मनोवैज्ञानिक, अस्तित्ववादी, वैज्ञानिक।

५) निर्धारित उपन्यासों का अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ —

1) उपन्यास तत्त्व एवं रूप विधान – डॉ. नारायण [illegible]।
2) हिंदी उपन्यास सिद्धांत और प्रयोग – डॉ. त्रिभुवनसिंह।
3) आधुनिक उपन्यासों में [illegible] – डॉ. [illegible]।
4) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यासों में राजनैतिक और आर्थिक चेतना – डॉ. [illegible]
5) आज का हिंदी उपन्यास – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।
6) उपन्यास स्थिति और गति – डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर।
7) हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – डॉ. रामदरश मिश्र।
8) हिंदी के मनोवैज्ञानिक उपन्यास – डॉ. [illegible]।
9) प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यासों में सामाजिक चेतना – डॉ. [illegible] जोशी।
10) हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष – डॉ. रामदरश मिश्र।

११) समकालीन हिंदी उपन्यास : कुछ विश्लेषण – डॉ. प्रेमकुमार ।

१२) आधुनिक उपन्यास विविध आयाम – डॉ. विवेकी राय ।

१३) प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की शिल्पविधि – डॉ. सत्यपाल चुघ ।

१४) हिंदी उपन्यास शिल्प – डॉ. गोपाल राय ।

१५) समकालीन हिंदी उपन्यास – डॉ. [illegible] ।

१६) हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास – डॉ. सुरेश सिन्हा ।

१७) आधुनिकता और हिंदी उपन्यास – डॉ. इन्द्रनाथ मदान ।

१८) राजेंद्र यादव का कथा-साहित्य – डॉ. [illegible] परदेशी

प्रश्नपत्र ४ (विशेष स्तर) वैकल्पिक

(ई) विशेष विधा – हिंदी निबंध

<u>उद्देश्य</u> – 1) हिंदी निबंध से परिचय एवं स्वरूप का ज्ञान कराना।

2) हिंदी निबंध के उद्भव और विकास की जानकारी देना।

3) हिंदी निबंध के ऐतिहासिक सांस्कृतिक और साहित्यिक परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।

अध्ययनार्थ निर्धारित ग्रंथ —

① चिंतामणि (भाग १) – आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
निबंध – १, ३, ४, ५, ६, ९, १०, १५,

② कल्पलता – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी।
निबंध – १, २, ३, ५, ६, ८, ९, १७.

③ रेती के फूल – रामधारी सिंह 'दिनकर'।
निबंध – १, २, ३, ४, ५, १२, १३, १४।

④ मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र।
निबंध – १, २, ६, १०, ११, १३, १५, १७।

⑤ धूप का अवसाद – डॉ. श्रीराम परिहार।
निबंध – १, ४, ५, ७, ८, १४, १७, २१

अध्ययनार्थ विषय —

१) निबंध की परिभाषा, तत्व, शिल्प विधान।

२) हिंदी निबंध का उद्भव और विकास, विकास के विभिन्न युग।

३) हिंदी निबंध के विभिन्न प्रकार।

४) निर्धारित निबंधों का अध्ययन।

(P.T.O.)

सन्दर्भ ग्रंथ —

१) हिंदी निबंधकार — डॉ. जयनाथ नलिन ।
२) हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार — डॉ. सुरेश अग्रवाल ।
३) हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार — डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना ।
४) हिंदी निबंधों का शैलीगत अध्ययन — डॉ. पु. ना. शहा ।
५) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व और साहित्य — डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त ।
६) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का समग्र साहित्य : एक अनुशीलन — बैजनाथ चौबे ।
७) हिंदी ललित निबंध परंपरा और प्रयोग — डॉ. वेदवती राठी ।
८) ललित निबंध — डॉ. संतोष सारस्वत ।
९) अनुराग (डॉ. विद्यानिवास मिश्र) — डॉ. उदय शर्मा ।
१०) आशय (पत्रिका) — डॉ. विद्यानिवास मिश्र पर केंद्रित अंक — डॉ. श्रीराम परिहार ।

प्रश्नपत्र 8 (विशेष स्तर) - वैकल्पिक

(ङ) महिला उपन्यासकार

उद्देश्य :— (1) विद्यार्थियों को स्त्री साहित्य से परिचित कराना।

(2) स्त्री साहित्य को विभिन्न संदर्भों के साथ, विशेषतः महिलाओं के संदर्भ में समझाना।

(3) निर्धारित रचनाओं का अध्ययन।

पाठ्यग्रंथ :—

(1) महाभोज — मन्नू भंडारी (2) तत्सम — राजी सेठ।

(3) इदन्नमम — मैत्रेयी पुष्पा (4) छिन्नमस्ता — प्रभा खेतान।

(5) कलिकथा वाया बायपास — अलका सरावगी।

अध्ययनार्थ विषय :— (1) स्त्री साहित्य परंपरा (2) स्त्री साहित्य — विधागत वैशिष्ट्य (3) पुरुष प्रधान व्यवस्था में नारी का स्थान (4) नारी शिक्षा, नारीमुक्ति, आर्थिक स्वावलंबन, आत्मनिर्भरता, अधिकारों के प्रति सजगता — स्त्री साहित्य में चित्रण (5) स्त्री-पुरुष संबंधों की अभिव्यक्ति : पारिवारिक संबंध, दाम्पत्य भाव, यौन संबंध, (6) बदलते सामाजिक, नैतिक मूल्यों के प्रति नारी का दृष्टिकोण। (7) भाषा शैली।

(परीक्षा में ससंदर्भ प्रश्न पूछा जाएगा)

संदर्भ ग्रंथ :—

(1) महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में नारीवादी दृष्टि — डॉ. अमरज्योति।

(2) महिला उपन्यासकार — डॉ. मधु संधु।

(3) हिंदी की महिला उपन्यासकारों की मानवीय संवेदना — डॉ. उषा यादव।

(4) हिंदी उपन्यासों में नारीमुक्तनारी — राजरानी शर्मा।

(5) महिला उपन्यासकारों की रचनाओं में बदलते सामाजिक संदर्भ — शैलजा शर्मा।

(6) हिंदी उपन्यासों में नारी — शैल रस्तोगी।

(7) महिला उपन्यासकारों की रचनाओं में वैचारिकता — डॉ. शशी जैन।

(8) आधुनिक युग की हिंदी लेखिकाएँ — उमेश माथुर।

(9) हिंदी साहित्य में नारी मनोवृत्ति का मनोवैज्ञानिक रूप — कृष्णा हंस।

(PTO)

(10) आधुनिक हिंदी साहित्य में नारी — सरला दुआ।

(11) भारतीय नारी - दशा और दिशा - आशारानी व्होरा।

(12) नारी तेरे रूप अनेक - डॉ. [illegible] कुमार।

(13) महिला कथाकारों के साहित्य में प्रेम का स्वरूप — सरिता कुमार।

(14) समकालीन हिंदी कथा लेखिकाएँ — रामकली सराफ।

(15) स्त्रीवादी साहित्य विमर्श - जगदीश्वर [illegible]।

(16) औरत एक [illegible] — अनुपमा [illegible]।

(17) आज की महिलाएँ — विमल केशव।

(18) नये युग की नारी — दादा [illegible]।

(19) स्त्री प्रश्न — सरला माहेश्वरी।

प्रश्नपत्र ४ (विशेषस्तर) वैकल्पिक

(क) मराठी संतों का हिंदी काव्य

उद्देश्य — १) मराठी के अहिंदी भाषी-संतों-साहित्यिकों की हिंदी सेवा की, संत साहित्य का, तथा संप्रदायों का परिचय छात्रों को कराना।

२) संत काव्य के ~~अध्ययन के~~ अध्ययन के माध्यम से राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक एकता की भावना जगाना।

पाठ्यक्रम —

१) मराठी संतों की हिंदी वाणी — सं. आनंदप्रकाश दीक्षित।
* संत नामदेव - पद संख्या — १, ३, ४, ११, २५
* संत एकनाथ - पद संख्या — ७, ९, १२, १६, १९
* संत तुकाराम - पद संख्या — २, ८, ९, ११, १८
* संत बहिणाबाई — पद संख्या - ३, ६, १२, १४, १६ (२०)

२) महाराष्ट्र के संतों का हिंदी काव्य — सं. डॉ. प्रभाकर पेंडसे। अध्ययनार्थ प्रथम ५० पद।

३) रामभक्ति शाखा के अज्ञात कवि — डॉ. मु. ब. शहा।
संत जन-जसवंत की पदावली —
पद — २, १३, १७, १८, २५, ३१, ३६, ३७, ३८, ४६ — (१०)

अध्ययनार्थ विषय —
१) दक्षिण भारत में हिंदी प्रचार।
२) महाराष्ट्र के पाँच प्रमुख संत संप्रदायों का परिचय — नाथ, महानुभाव, वारकरी, दत्त, समर्थ।
३) मराठी संतों की हिंदी काव्य परंपरा।
४) पठित पदों के संदर्भ में भाषा एवं कला की विशेषताएँ।
५) मराठी संतों द्वारा प्रयुक्त विशिष्ट छंद और काव्य प्रकार।
६) मराठी संतों की भक्ति भावना।
७) संत काव्य की प्रासंगिकता।
(परीक्षा में संदर्भ का प्रश्न पूछा जाएगा)

संदर्भ ग्रंथ —

① हिंदी को मराठी संतों की देन — आचार्य विनय मोहन शर्मा।
② संत नामदेव की हिंदी पदावली — डॉ. भगीरथ मिश्र।
③ संत नामदेव और हिंदी पद साहित्य — डॉ. रामचंद्र मिश्र।
④ हिंदी और मराठी का निर्गुण संत काव्य — डॉ. प्रभाकर माचवे।
⑤ हिंदी और मराठी के वैष्णव संत साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन — डॉ. न. चि. जोगलेकर।
⑥ मराठी का भक्ति साहित्य — [illegible]
⑦ मराठी संतों का सामाजिक कार्य [illegible]
८) महाराष्ट्र के प्रमुख धार्मिक संप्रदाय — डॉ. र. ना. [illegible]